9-5 जॉब से ज्यादा मेहनत करते हैं एक्टर्स : काजोल

अभिनेत्री काजोल ने हाल ही में अपने सेलिब्रिटी चैट शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के एक एपिसोड में एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. काजोल का मानना है कि 9-5 की कॉर्पोरेट नौकरी करने वालों की तुलना में अभिनेता कहीं यादा मेहनत का काम करते हैं. हालांकि, शो में मौजूद होस्ट ट्विंकल खन्ना और गेस्ट वरुण धवन तथा आलिया भट्ट ने काजोल के इस तर्क से असहमति जताई, लेकिन एक्ट्रेस अपनी बात पर अड़ी रहीं.काजोल ने अपने शेड्यूल की कठिनाइयों को समझाते हुए बताया कि ये 35-40 दिन सुबह जल्दी उठने वाले होते हैं, जहां आपको शूटिंग के साथ-साथ एक्सरसाइज भी करनी होती है. उन्होंने कहा, आपका खाना ऑर्डर पर होना चाहिएज्आप कहीं एक इंच भी वजन नहीं बढ़ा सकते क्योंकि आपके कपड़े अब आपको फिट नहीं होंगे. वैसे, ये बहुत बड़ा दबाव होता है. उन्होंने तर्क दिया कि शूटिंग न होने पर भी इवेंट्स में 12-14 घंटे पूरी तरह से एक्टिव रहना मुश्किल है.

काजोल ने डेस्क जॉब करने वाले कर्मचारियों से तुलना करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति 9 से 5 की नौकरी में डेस्क पर बैठा रहता है, तो उसे पूरी तरह से उपस्थित रहने की जरूरत नहीं होती है. उन्होंने कहा, आप चाय ब्रेक ले सकते हैंज्आप आराम कर सकते हैं, खुलकर खेल सकते हैं, टहल सकते हैं, बातें कर सकते हैं और साथ ही अपना काम भी कर सकते हैं. लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते. उनका निहितार्थ यह था कि डेस्क जॉब में शारीरिक और मानसिक सक्रियता का स्तर एक्टिंग जितना उच नहीं होता.काजोल के इस बयान की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, खासकर रेडिट पर कड़ी आलोचना हो रही है.

यूजर्स का मानना है कि काजोल का यह बयान कॉरपोरेट और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारियों की मेहनत को कम आंकता है. उनका कहना है कि डेस्क पर बैठकर काम करने वाले लोग भी भारी मानसिक दबाव और लंबे वर्किंग ऑवर्स का सामना करते हैं, और भारत की अर्थव्यवस्था में उनका योगदान भी अहम है.

प्रियामणि ने शेयर किया अनुभव

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि ने बॉलीवुड में अपने करियर के दौरान कई बड़े सितारों के साथ काम करके अनुभव का खजाना जमा किया है. उन्होंने अजय देवगन, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी जैसी दिग्गज हस्तियों के साथ फिल्मों में काम किया है और अब उन्होंने अपने अनुभव साझा किए हैं.

आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में प्रियामणि ने बताया कि इन स्टार्स की वर्किंग स्टाइल बेहद अलग और प्रेरणादायक है. उन्होंने कहा, अजय देवगन, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी में से हर एक सुपरस्टार है. उनकी कार्यशैली अनोखी है और मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि करियर की शुरुआत में ही मुझे उनके साथ काम करने का अवसर मिला. अगर मुझे मौका मिले, तो मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी.प्रियामणि ने आगे कहा कि इन सभी सितारों ने अपने करियर में कठिन परिश्रम किया है और यह सफलता उनके काबिलियत की वजह से मिली है.

एलियन : अर्थ में नज़र आएंगे आदर्श गौरव!

अभिनेता आदर्श गौरव, रिडली स्कॉट की 'एलियन~ अर्थ' की आने वाली सीज़न में वापस नज़र आ सकते हैं.

आदर्श गौरव, जिन्होंने रिडली स्कॉट की चर्चित साइ-फाई सीरीज़ एलियन~ अर्थ में अपने शानदार प्रदर्शन से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता, ने हाल ही में इस शो के प्रभाव और इसके आने वाले सीज़न का हिस्सा बनने की अपनी इछा पर बात की. शो की ज़बरदस्त सफलता के बाद, आदर्श ने इस अनुभव के लिए गहरी कृतज्ञता जताई और कहा कि यदि मौका मिला, तो वो ज़रूर दोबारा इसका हिस्सा बनना चाहेंगे.

सीरीज़ के बारे में बात करते हुए आदर्श ने कहा, एलियन~ अर्थ पर काम करना मेरे लिए ज़िंदगी का एक अनोखा अनुभव रहा - कुछ ऐसा जिसे मैं हमेशा याद रखूँगा. रिडली स्कॉट जैसे महान फिल्ममेकर के बनाए हुए उस ब्रह्मांड का हिस्सा बनना, जहाँ इतनी बड़ी स्केल, कल्पना और भावनात्मक गहराई है, हर अभिनेता का सपना होता है. यह शो सिर्फ़ एक परफॉर्मर के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी आपको चुनौती देता है. यह आपको इंसानियत, ज़िंदा रहने की जद्दोजहद और रिश्तों को एक नए नज़रिए से देखने पर मजबूर करता है. हर दिन उस सेट पर एक नया सबक था, और पूरी टीम का जुनून वाकई प्रेरणादायक था.

आदर्श गौरव ने कहा, मैं इस कहानी और अपने किरदार से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता हूँ, और अगर इस यात्रा को आगे बढ़ाने का मौका मिला, तो मैं ज़रूर लौटना चाहूँगा. कहानी और भावनाओं, दोनों स्तरों पर अब भी बहुत कुछ खोजा जा सकता है. ऐसे रचनात्मक लोगों के साथ काम करना, जो लगातार सीमाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं, मेरे लिए बेहद प्रेरक अनुभव रहा है. एलियन~ अर्थ ने मुझे यह भरोसा दिलाया कि जब कहानी दिल और ईमानदारी से कही जाती है, तो वो भाषा, संस्कृति और जॉनर की सीमाएँ पार कर जाती है.

25 साल बाद शुभांगी अत्रे लौटीं अपने गांव

एण्डटीवी के शो भाबीजी घर पर हैं में प्यारी अंगूरी भाबी का किरदार निभा रहीं शुभांगी अत्रे ने 25 साल बाद अपने पुराने गांव का दौरा किया. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने सफर की झलक साझा की, जिसमें खेतों की हरियाली, पास का मंदिर और परिवार के साथ बिताए खास पल दिखाए गए. कहा, 25 साल बाद इंदौर के अपने गांव लौटना ऐसा था जैसे मैंने कुछ ही पलों में मेरा पूरा बचपन फिर से जी लिया. हर गली, हर कोना अपनी एक कहानी कह रहा था. वही पुल जहाँ मैं खेला करती थी, वही मंदिर जहाँ मैं बचपन में पूजा किया करती थी, और अपने पुराने दोस्तों और परिवार से मिलना- सब कुछ बहुत ही जादुई और भावुक अनुभव था. यह मुझे मेरी मासूमियत और सादगी की याद दिलाता है, जिसने आज की मेरी पहचान बनाई. समय जैसे थम गया और बचपन की सारी यादें एकदम ताजा हो गईं. अपने गांव लौटना मेरे लिए दिल को शांति और खुशियों से भर देने वाला अनुभव था.

अपने अनुभव साझा करते हुए शुभांगी ने आगे कहा, मुझे अपने जड़ों से जुड़े रहने का महत्व अछे से पता है. इस साल की शुरुआत में मैं अपने कथक गुरु से मिलने भी अपने पुराने गांव गई, लगभग 18 साल बाद. इस मुलाकात ने मुझे नृत्य के प्रति मेरा प्यार फिर से याद दिलाया और वो अनुशासन और खुशी भी लौटा दी जो डांस ने मेरे जीवन में दी थी.

पुरस्कार मिलने पर मुरलीकांत पेटकर ने लुटाया प्यार

चंदू चैम्पियन के रील हीरो कार्तिक आर्यन को पहला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिलने पर रियल हीरो मुरलीकांत पेटकर ने अपना प्यार लुटाया है.

कार्तिक आर्यन ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए चंदू चैंपियन में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर अवार्ड जीता है. इस बड़ी उपलब्धि पर देशभर से शुभकामनाएं मिल रही हैं, जिनमें असली हीरो मुरलीकांत पेटकर का नाम भी शामिल है.

कार्तिक आर्यन ने फिल्म चंदू चैंपियन में मुरलीकांत पेटकर बनने के लिए अपना दिल, जान और अथक मेहनत झोंक दी. उन्होंने गहन शारीरिक परिवर्तन, कड़ी ट्रेनिंग और भावनात्मक तैयारी के ज़रिए इस किरदार को जिया. उन्होंने न सिर्फ़ भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट की दृढ़ता को, बल्कि उनके अदम्य जज़्बे को भी पर्दे पर सजीव कर दिया. जिस जीवित किंवदंती की प्रेरक कहानी को कार्तिक ने पर्दे पर जीवंत किया, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखते हुए कार्तिक की तारीफ़ की. कार्तिक की तस्वीर साझा करते हुए मुरलीकांत ने लिखा, कार्तिक आर्यन को चंदू चैंपियन फिल्म के लिए 70वें फिल्मफेयर अवार्ड 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई!

कलाकारों ने वर्ल्ड फूड डे का जश्न

भारत में खाना सिर्फ पेट भरने का ज़रिया नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और यादों का उत्सव है. वर्ल्ड फूड डे के मौके पर एण्डटीवी के कलाकारों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खाना उनके त्योहारी अनुभवों का हिस्सा बनता है. दिवाली बस आने ही वाली हैं और इस अवसर पर उन्होंने अपने घर की बनी खास डिशेज और परंपराओं के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि कैसे इन फूड्स का हर निवाला यादगार और परिवार के साथ बिताए गए पलों को खास बनाता है. इन कलाकारों में शामिल हैं- नीहारिका रॉय (घरवाली पेड़वाली की सावी), सोनल पंवार और रोहिताश्व गौड़ (भाबीजी घर पर हैं के मनमोहन

फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की आने वाली फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है.

वर्ष 2019 में प्रदर्शित अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'दे दे प्यार दे' ने बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुयी थी. अब इस फिल्म का सीक्वल 'दे दे प्यार दे 2' आने वाला है.अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. मेकर्स ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, जब आपका बॉयफ्रेंड आपके पापा की उम्र का हो, आपकी नहीं, तो समझ लीजिए कि सप्यार वर्सेज परिवार मुकाबले का वक्त आ गया है!

'दे दे प्यार दे 2' में आर. माधवन, जावेद जाफरी,मीजान जाफरी, गौतमी कपूर, इशिता दत्ता भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं. यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज होगी.

ज़ी टीवी लेकर आया है अपनोत्सव

भारत में त्यौहारों का मौसम छाया हुआ है, ऐसे में ज़ी टीवी करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली और भाई दूज को सिर्फ त्यौहार ही नहीं बल्कि कहानियों, अपनापन और परिवार के जश्न का हिस्सा बना रहा है. अपनी नए ब्रांड पहचान आपका अपना ज़ी टीवी के तहत चैनल पेश कर रहा है अपनोत्सव एक महीने भर का उत्सव, जिसमें ड्रामा, हंसी और त्यौहारों की परंपराओं की खुशियां एक साथ नजर आएंगी.

तीन दशकों से ज़ी टीवी ने भारतीय टेलीविजन पर त्यौहारों के कार्यक्रमों की शुरुआत की है और परिवारों को जोड़ने वाले खास आयोजन बनाए हैं. अपनोत्सव के साथ फिर से त्यौहारों को घर वापसी, रिश्तों और अपनेपन का जश्न बनाया जा रहा है. यह मजेदार कंटेंट, दिलचस्प प्रतियोगिताओं और सामुदायिक पहलों के जरिए दर्शकों को उनकी पसंदीदा परंपराओं का एहसास कराएगा.इस महीने भर चलने वाले अभियान

में दर्शकों को मिलेगा मजेदार मिक्स ~प्रमुख फिक्शन शो के विशेष एपिसोड्स, नए लॉन्च जैसे जगद्धात्री- एक युवा लड़की की कहानी, जिसकी घर में तो अनदेखी होती है लेकिन बाहर वो अपराध से लड़ने वाली निडर एजेंट है; आइडियाबाज़ - एक नॉन-फिक्शन शो जो नए विचारों और उद्यमिता की भावना को दिखाता है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

वैज्ञानिकों ने खोज लिया सौरमंडल का 9वां ग्रह

खगोलविदों के लिए सौरमंडल का अध्ययन हमेशा से दिलचस्पी भरा विषय रहा है. हाल ही में इसके अध्ययन में ऐसे संकेत मिले हैं, जो ग्रहों के बारे में हमारे अब तक की जानकारी को पूरी तरह से बदल सकते हैं. नया अध्ययन में वैज्ञानिकों को एक एक नए ग्रह का संकेत मिला है, जिसे Y नाम दिया गया है. हालांकि, अभी इस ग्रह का पता नहीं लगाया गया है, बल्कि कुइपर बेल्ट में कुछ दूरस्थ पिंडों की झुकी हुई कक्षाओं से इसका अनुमान लगाया गया है.

शोधकर्ताओं को नेपचन्यून की कक्षा से परे बर्फीले पिंडों का एक बड़ा घेरा मिला है, जिसके बारे में उनका कहना है कि कोई चीज इन कक्षाओं को विचलित कर रही है और उन्हें झुका रही होगी.

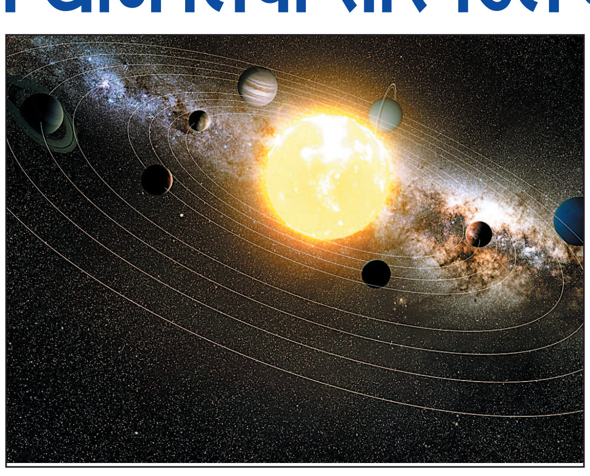

बाहरी भाग में लगा रहा चक्कर- प्रिंसटन विश्वविद्यालय में खगोल भौतिकी विभाग में डॉक्टरेट के उम्मीदवार और खगोल भौतिकीविद और स्टडी के प्रमुख लेखक अमीर सिराज ने बताया कि एक अदृश्य ग्रह की उपस्थिति है, जो संभवतः पृथ्वी से छोटा और बुध से बड़ा है. यह सौरमंडल के बाहरी भाग में परिक्रमा कर रहा है.

हालांकि, यह शोध पत्र किसी ग्रह की खोज नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से एक ऐसी पहेली की खोज है, जिसका एक संभावित समाधान हो सकता है.

कुइपर बेल्ट में छिपे होने के संकेत

वैज्ञानिकों ने हाल के वर्षों में सौरमंडल में कई ग्रहों का अनुमान लगाया है, इनमें प्लैनेट ङ्क सबसे नया है. इन सभी ग्रहों की विशेषताएं थोड़ी भिन्न हैं, लेकिन सामूहिक रूप से माना जाता है कि ये कुइपर बेल्ट में छिपे हुए हैं. इसी बेल्ट में प्लूटो मौजूद है, जिसे कभी 9वें ग्रह का दर्जा हासिल था, लेकिन 2026 में उसे हटाकर बौने ग्रह के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया था.

ओप्पो रेनो 15 प्रो मैक्स में मिलेगा 200M P का धांसू कैमरा

Oppo आने वाले महीनों में अपनी Reno 15 सीरीज लेकर आ सकता है. यह Reno 14 लाइनअप का सक्सेसर हो सकती है. जिसमें Oppo Reno 14 और Oppo Reno 14 Pro मॉडल्स आए थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी इस बार एक नया मॉडल भी जोड़ सकती है. जिसे चीन में Oppo Reno 15 Pro Ma& नाम से लॉन्च किया जा सकता है.

ऐसा माना जा रहा है कि Oppo Reno 15 Pro Ma& में 6.78 इंच का LTPO OLED डिस्प्ले दिया जा सकता है, जो 120 ॥5 रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा. इस फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400 प्रोसेसर और 6,500mAh की बैटरी मिलने की उम्मीद है. यह फोन एंड्रॉयड 16 पर बेस्ड ColorOS 16 पर रन करेगा. कैमरा की बात करें तो इसके रियर में 200M P का प्राइमरी लेंस, 50M P का टेलीफोटो कैमरा और एक अल्ट्रावाइड सेंसर मिल सकता है. फ्रंट में यह 50M P लेंस के साथ आ सकता है.

भारत में इस फोन को 55,000 रुपये की शुरुआती कीमत पर लाया जा सकता है. इसी साल यह फोन चीन में लॉन्च होगा और अगले साल की शुरुआत में इसे भारत समेत दूसरे बाजारों में भी लॉन्च किया जा सकता है. इस सीरीज में प्रो मैक्स मॉडल के अलावा Reno 15 और Reno 15 Pro भी लॉन्च होने की संभावना है इन सभी स्मार्टफोन्स में 120 ॥5 1.5K OLED स्क्रीन दी जा सकती है.

वॉट्सऐप पर अब चैटिंग हुई मजेदार

वॉट्सऐप में बीते दिनों कई नई फीचर्स की एंट्री हुई है. इनमें कुछ फीचर बीटा वर्जन में और कुछ स्टेबल वर्जन में आ चुके हैं. कंपनी इन फीचर्स के जरिए यूजर्स के चैटिंग एक्सपीरियंस को और मजेदार बनाना चाहती है. नए फीचर में डॉक्यूमेंट स्कैन, वीडियो कॉल बैकग्राउंड और मेसेज ट्रांसलेशन भी शामिल है. तो आइए जानते हैं वॉट्सऐप के इन नए फीचर्स के बारे में.

मेसेज ट्रांसलेशन-वॉट्सऐप का यह फीचर iOS के लिए आया है. नया फीचर 21 भाषाओं को सपोर्ट करता है. मेसेज ट्रांसलेशन का ऑप्शन यूजर्स को ऐप के अंदर ही मिलेगा. यह फीचर धीरे-धीरे सभी यूजर्स तक पहुंच रहा है. आईफोन में यह फीचर Apple के Translation APIs की मदद से काम करता है.

डॉक्यूमेंट स्कैनिंग- वॉट्सऐप का यह फीचर पहले केवल आईफोन्स के लिए ही आता था. अब कंपनी ने इसे ऐंड्रॉयड के लिए भी रोलआउट कर दिया है. ऐंड्रॉयड यूजर ऐप के अंदर बिल्ट-इन स्कैनर से डॉक्यूमेंट को स्कैन और सेंड कर सकते हैं.

स्टेटस अपडेट्स के लिए क्विक शेयरिंग- कंपनी ने इस फीचर को वॉट्सऐप बीटा फॉर ऐंड्रॉयड 2.25.27.18 में रोलआउट किया है. यह फीचर यूजर्स को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वॉट्सऐप स्टेटस को शेयर करने का ऑप्शन देता है. हाल में इसे द्बह्लह्य के लिए भी रिलीज किया गया है. अब स्टेटस इंटरफेस के बिल्कुल नीचे शेयर आइकन होने से यूजर्स आसानी से केवल एक टैप में अपने अपडेट को मेटा प्लैटफॉर्म्स पर क्रॉस-पोस्ट कर सकते हैं.

वीडियो कॉल बैकग्राउंड- यह फीचर यूजर्स के लिए बड़े काम का है. इसकी मदद से यूजर वीडियो कॉल के दौरान अपने बैकग्राउंड को एआई की मदद से चेंज कर सकते हैं. यह फीचर आने वाले दिनों में सभी यूजर्स तक पहुंच जाएगा.

खतरे में समुद्र की 30 से अधिक प्रजातियां

एक नए अध्ययन में कहा गया है कि गहरे समुद्र में माइनिंग के कारण शार्क और समुद्र के कई अन्य जीवों की प्रजातियों के खत्म होने का खतरा बहुत हद तक बढ़ सकता है. हवाई यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह नया अध्ययन किया लगभग 30 अलग-अलग प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे को लेकर चिंता जताई गई है. यह खतरा उन कई समुद्री इलाकों से आ रहा है जहां जल्दी ही गहरे समुद्र में खनन होने की संभावना है जिससे इन इलाकों को खतरा हो सकता है.

किस चीज से है ज्यादा नुकसान?- जांची गई कुल प्रजातियों में से 30 को तुरंत खतरे में पाया गया. इसका मतलब है कि खनन की गतिविधियों से निकलने वाले कचरे के फैलने से उन्हें सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है. इनमें से 25 प्रजातियां तो सीधे तौर पर समुद्र की शांति भंग होने से भी खतरे में हैं. इसके अलावा 17 प्रजातियों के लिए उनके रहने की 50 प्रतिशत से ज्यादा गहराई वाला क्षेत्र वहीं आता है जहां खनन होना है. यह भी

अंदाजा लगाया कि, अगर खनन को पहले से मौजूद खतरों में जोड़ा जाए तो 23 प्रजातियों के खत्म होने का खतरा 10 फीसदी बढ़ जाएगा.

शार्क के बारे में क्या दी चेतावनी?- अध्ययन करने वाली टीम ने शार्क के लिए खतरे की चेतावनी दी है. शार्क एक ऐसी रीढ़ की हड्डी वाली प्रजाति है जो पहले से ही ज्यादा मछली पकड़ने की वजह से खतरे में है. अंडे देने वाले स्केट्स और गहरे समुद्र में रहने वाले काइमेरा जैसी खास जीवनशैली वाली प्रजातियां खासतौर पर खतरे में हैं.

रिसर्च टीम ने क्या दिया सुझाव?

रिसर्च टीम ने यह भी कहा कि गहरे समुद्र में खनन को कानूनी नियमोंमें एक और खतरा माना जाना चाहिए. साथ ही, खतरे में पड़ी प्रजातियों को ध्यान में रखते हुए संरक्षण की योजनाएं बनानी चाहिए. इसके अलावा टीम ने सुझाव दिया कि, खनन वाले इलाकों में Monitoring Programs शुरू किए जाएं.

रिसर्चर्स ने क्या दी वॉर्निंग?- शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि इन सुझावों को अंतर्राष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरणके नियमों और खनन का काम करने वाले ठेकेदारों को मानना चाहिए. इससे इन्हें सही तरीके से लागू किया जा सकेगा. अध्ययन के मुख्य लेखक आरोन जुडाह ने यह माना कि, जैसे-जैसे और अधिक जानकारी और रिसर्च सामने आएगी खतरे में पड़ी प्रजातियों की यह सूची और लंबी हो सकती है.